

"युद्धे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता" - वेडेल फिलिप्स

दैनिक

भारतीय बस्ती

बस्ती 12 जून 2024 बुधवार

सम्पादकीय

रगों में भ्रष्टाचार

कहते हैं कि कानून के हाथ काफी लंबे होते हैं तथा यह पुलिस से न्यायालय चाहे तो अपराधी को पताल से भी निकाल कर सलाखों के पीछे थकेल सकते हैं। मगर हमारे देश में जैसे व रसूख से कुछ भी खरीदा जा सकता है। हमारी रगों में भ्रष्टाचार का खून बहता है जो साफ करने पर भी गंदा ही बना रहता है। कई ऐसी हृदयविदारक घटनाएँ होती हैं, जिन्हें देख कर किसी भी सामान्य व्यक्ति की संवेदनाएँ जागृत हो उठती हैं। यह भी ठीक है कि हमारी पुलिस व पूरी न्यायिक व्यवस्था अपराधियों को पकड़ने व उन्हें सजा देने से पीछे नहीं रहती मगर कहते हैं कि जैसे के आगे सब कुछ नतमस्तक हो जाता है। हमारा कानून अपनी आंखों पर काली पट्टी पहने रहता है तथा खुदों का ही इंतजार करता रहता है। आम सामान्य अपराधियों को भले ही सजा हो जाए मगर धनबली जिनको राजनीतिज्ञों व पुलिस इत्यादि सभी एजेंसियों का आशीर्वाद होता है, सजा से मुक्त होने में कामयाब हो ही जाते हैं।

सभी कानूनी संस्थाओं को अपने अपने नियमों का भली-भाँति ज्ञान होता है तथा यह एजेंसियाँ दिन को रात व रात को दिन बनाने में भी सक्षम होती हैं। अमतौर पर देखा गया है कि ट्रैफिक घटनाओं में पुलिस मुकदमा दर्ज ही नहीं करती तथा दोनों पक्षों में समझौता करना की कोशिश करती है। पुलिस चाहे तो बड़ी से बड़ी घटना को प्राकृतिक व सामान्य रूप दे सकती है तथा दूसरी तरफ छोटी घटना को एक बहुत बड़ा रूप भी दे सकती है। ऐसा तभी संभव होता है, जब या तो नीचे से ऊपर तक सभी भ्रष्टाचार का नंगा नाच कर रहे होते हैं या फिर कुछ ऐसे ईमानदार अधिकारी भी हैं जो खुद सत्यनिष्ठ व ईमानदार तो हैं, मगर वह या तो कानून की बारीकियों के बारे में अभिज्ञ होते हैं या फिर वो आँखें मूंद कर अपना समय निकालते रहते हैं।

अभी हाल ही में पुणे में 19 मई की एक ऐसी सड़क दुर्घटना का उदाहरण है जो पुलिस, आबकारी विभाग व न्यायापालिका पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न पैदा करती है, जिससे इन संस्थाओं पर से लोगों का विश्वास तुरंत उठ जाता है। एक बड़े धनबली के साझे 17 वर्ष के नवजास बेटे ने 19 मई की रात को एक होटल में 48 घण्टी की महंगी से महंगी शराब भी तथा उसके बाद नशे में धुत होकर अपनी 2 करोड़ की गाड़ी को 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सड़क पर एक मोटर साइकिल सवार जिस पर एक 24 वर्षीय लड़का व लड़की जा रहे थे, को बहुत बुरी तरह से कुचल कर मौके पर ही मार देता है तथा घटनास्थल से भागने की कोशिश करता है।

मगर कुछ साहसी लोगों ने अपनी नैतिकता का फर्ज समझते हुए उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। अब पुलिस किस तरह अपने लंबे हाथों को बांध कर उस अपराधी को बंधा की कोशिश करने लगती है जो सचमुच पुलिस की रगों को धूमिल कर देती है। पुलिस ने इस विगडेल लड़के को थाने में ले जाकर सुबह बर्गर व पिज्जा इत्यादि खिलाया तथा घटना की एक.एफ.आर.आर. लगभग 6 घंटे के बाद सोचा-समझ कर 8 बजे दर्ज की। उसका तुरंत भैतिकल नहीं करवाया गया तथा घटना के 15 घंटे के बाद शाम 3 बजे उसका ब्लड सैम्पल लिया गया। उसका एक किशोर अपराधी की तरह किशोर अपराधी अधिनियम 2015 के अंतर्गत समायोजन किया गया तथा किशोर युवा बोर्ड के सामने पेश कर दिया।

हालाँकि इस एक्टर में विशेष प्राधान्य है कि यह कोई युवक (18 वर्ष की कम आयु वाला) कोई जघन्य अपराध करता है तो उसे एक व्यक्त व्यक्ति की तरह ही गिरफ्तार करके उस पर आगामी कार्रवाई करनी चाहिए। बेईमानी की सीमा अभी समाप्त नहीं हुई। आरोपी के पिता ने पौलिसिक लैब के निदेशक को 3 लाख रूपए देकर अपने आरोपी बेटे के खून के सैम्पल ही बदलवा दिए। इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब पुलिस ने आरोपी को ब्लड सैम्पल एक अन्य लैब में भी भेज रखे थे तथा इस लैब की रिपोर्ट के अनुसार आरोपी ने शराब भी रखी थी। पुलिस ने इस सूचना के आधार पर आरोपी डाक्टरों को पडवंत्र रचाने के लिए गिरफ्तार कर लिया है। ऐसा तभी संभव हो सका जब जागत जनता व मीडिया ने एकजुट होकर आवाज उठाई। न जाने इन आरोपी डाक्टरों ने पहले भी कितने अपराधियों को लाभ पहुँचा कर अपने ईमान को बेच दिया होगा।

पुलिस के इस डुलमूल पथेय के बाद हमारी न्यायापालिका का रोल आरंभ होता है। जरा देखिए यह भी किस तरह अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध कर तारजू के दोनों पलड़ों को बराबर रखते हुए अपनी न्यायिक प्रक्रिया शुरू करती है। यह न्यायिक बोर्ड जिसका चेयरमैन ज्युडिशियल मैजिस्ट्रेट होता है इस विगडेल को 300 पक्तियों का एक निबंध लिखवा कर छोड़ देता है। अभी आप सोच रहे होंगे कि इस घटना में राजनीतिज्ञों का क्या रोल रहे होगा। वो भी जरा जान लीजिए। घटना का पता चलते ही स्थानीय शिवाय महोदय थाना में दस्तक दे देते हैं तथा वह निश्चिंत तौर पर पुलिस को इस केस को कमजोर करने की ही बात करते होंगे। यह हम चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों की बात कोई तब इस समय लगभग 40 प्रतिशत उम्मीदवारों के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तथा कई तो ऐसे भी हैं जिनके विरुद्ध हत्या के एक से अधिक मामले लंबित हैं। हालाँकि उच्चतम न्यायालय ने उन्हें बच कहा है कि ऐसे दाम्नी उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत सेफाबाद वि०ख० बहादुरपुर जनपद- बस्ती

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन) शिद्दूल रेट के अनुसार	शिद्दूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर)
1	टाइल्स, शुल्म/सामुदायिक शौचालय		
2	सोमेट, बालू, मिट्टी, छड़		
3	ईट, हण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सोमेटइ ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	सर्मासिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इन्टरलॉकिंग टाइल्स सामग्री गोश आश्रय केंद्र पर मूला अन्य		
7	डेरक, बेच फनीबर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पदो, अन्वेषी स्थल, सूखा-गोला कचरा प्रक्षेपन व कम्पोस्ट गड्डा इत्यादि		
9	मूला, कुशारोपण (पीछा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कस्ट्रक्शन ज्वाइट, आगनबाडी केंद्र		
11	नाली निर्माण सामग्री पंचायत भवन		
12	खंडजा सोल्वा सोलर लाईट, स्टीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न कुशारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ्लैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें— सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार समग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. की दर से अधिक न हो। समग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा १०0-50 के स्टैम्प पेपर पर मरना अनिवार्य होगा। समग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में करौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।
(विक्कास कुमार नागर) ग्राम प्रधान (राजन चौधरी) ग्रा०ण०/ग्रा०वि०अधि०
पत्रांक मेमो / 11.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024-25

कार्यालय ग्राम पंचायत कुर्दा वि०ख० गौर जनपद- बस्ती

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन) शिद्दूल रेट के अनुसार	शिद्दूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर)
1	टाइल्स, शुल्म/सामुदायिक शौचालय		
2	सोमेट, बालू, मिट्टी, छड़		
3	ईट, हण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सोमेटइ ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	सर्मासिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इन्टरलॉकिंग टाइल्स सामग्री गोश आश्रय केंद्र पर मूला अन्य		
7	डेरक, बेच फनीबर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पदो, अन्वेषी स्थल, सूखा-गोला कचरा प्रक्षेपन व कम्पोस्ट गड्डा इत्यादि		
9	मूला, कुशारोपण (पीछा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कस्ट्रक्शन ज्वाइट, आगनबाडी केंद्र		
11	नाली निर्माण सामग्री पंचायत भवन		
12	खंडजा सोल्वा सोलर लाईट, स्टीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न कुशारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ्लैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें— सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार समग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. की दर से अधिक न हो। समग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा १०0-50 के स्टैम्प पेपर पर मरना अनिवार्य होगा। समग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में करौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।
(विक्कास कुमार नागर) ग्राम प्रधान (श्री प्रकाश वर्मा) ग्रा०ण०/ग्रा०वि०अधि०
पत्रांक मेमो / 11.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024-25

कार्यालय ग्राम पंचायत सिर्लो वि०ख० बहादुरपुर जनपद- बस्ती

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन) शिद्दूल रेट के अनुसार	शिद्दूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर)
1	टाइल्स, शुल्म/सामुदायिक शौचालय		
2	सोमेट, बालू, मिट्टी, छड़		
3	ईट, हण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सोमेटइ ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	सर्मासिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इन्टरलॉकिंग टाइल्स सामग्री गोश आश्रय केंद्र पर मूला अन्य		
7	डेरक, बेच फनीबर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पदो, अन्वेषी स्थल, सूखा-गोला कचरा प्रक्षेपन व कम्पोस्ट गड्डा इत्यादि		
9	मूला, कुशारोपण (पीछा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कस्ट्रक्शन ज्वाइट, आगनबाडी केंद्र		
11	नाली निर्माण सामग्री पंचायत भवन		
12	खंडजा सोल्वा सोलर लाईट, स्टीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न कुशारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ्लैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें— सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार समग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. की दर से अधिक न हो। समग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा १०0-50 के स्टैम्प पेपर पर मरना अनिवार्य होगा। समग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में करौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।
(अनीता यादव) ग्राम प्रधान (गोपन्द्र नाथ विवेदी) ग्रा०ण०/ग्रा०वि०अधि०
पत्रांक मेमो / 11.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024-25

कार्यालय ग्राम पंचायत बाणशकाडर वि०ख० गौर जनपद- बस्ती

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन) शिद्दूल रेट के अनुसार	शिद्दूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर)
1	टाइल्स, शुल्म/सामुदायिक शौचालय		
2	सोमेट, बालू, मिट्टी, छड़		
3	ईट, हण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सोमेटइ ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	सर्मासिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इन्टरलॉकिंग टाइल्स सामग्री गोश आश्रय केंद्र पर मूला अन्य		
7	डेरक, बेच फनीबर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पदो, अन्वेषी स्थल, सूखा-गोला कचरा प्रक्षेपन व कम्पोस्ट गड्डा इत्यादि		
9	मूला, कुशारोपण (पीछा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कस्ट्रक्शन ज्वाइट, आगनबाडी केंद्र		
11	नाली निर्माण सामग्री पंचायत भवन		
12	खंडजा सोल्वा सोलर लाईट, स्टीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न कुशारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फ्लैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें— सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार समग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्ल्यू. की दर से अधिक न हो। समग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा १०0-50 के स्टैम्प पेपर पर मरना अनिवार्य होगा। समग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में करौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।
(रामलाल) ग्राम प्रधान (कौशल सोनकर) ग्रा०ण०/ग्रा०वि०अधि०
पत्रांक मेमो / 11.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024-25

